नवभारत
जबलपुर, रविवार, 26 अप्रैल 2026
7

जब सितारे बोलते हैं

आधुनिक ज्योतिष की जीवंत यात्रा

ज्योतिषाचार्य तेजस्कर पाण्डेय

अंततः 'जब सितारे बोलते हैं' का वास्तविक अर्थ यह नहीं है कि वे हमें सीधे-सीधे भविष्य बताते हैं, बल्कि यह है कि वे हमें एक ऐसा प्रतीकात्मक और दार्शनिक माध्यम प्रदान करते हैं जिसके द्वारा हम अपने जीवन को समझ सकते हैं, अपने अनुभवों को अर्थ दे सकते हैं और अपने अस्तित्व के रहस्यों पर विचार कर सकते हैं, और यही आधुनिक ज्योतिष की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह हमें केवल भविष्य की जानकारी नहीं देता बल्कि यह हमें वर्तमान को समझने और अपने जीवन को एक व्यापक और गहरे संदर्भ में देखने की क्षमता प्रदान करता है, और इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि ज्योतिष की सच्चाई तारों की भाँति स्थिर नहीं बल्कि उनके प्रकाश की भाँति गतिशील है, जो समय और परिस्थिति के अनुसार अपने अर्थ को परिवर्तित करती रहती है, और यही इसकी वास्तविक शक्ति है, क्योंकि यह केवल ज्ञान का स्रोत नहीं है बल्कि यह अनुभव, अर्थ और चेतना का एक जीवंत प्रवाह है, जो मानव जीवन को निरंतर समृद्ध करता रहता है और उसे एक व्यापक ब्रह्मांडीय संदर्भ में स्थापित करता है.

जब हम 'जब सितारे बोलते हैं' जैसे आकर्षक और गहन शीर्षक पर विचार करते हैं, तो यह केवल एक साहित्यिक अलंकार नहीं रह जाता, बल्कि यह मानव सभ्यता के उस दीर्घकालीन अनुभव का प्रतीक बन जाता है जिसमें आकाश और मानव जीवन के बीच एक जीवंत संवाद की कल्पना की गई है, और यदि हम इस विचार को विस्तार से समझें तो यह स्पष्ट होता है कि ज्योतिष का मूल स्वरूप ही इसी संवाद पर आधारित है, जहाँ ब्रह्मांड को एक सक्रिय, अर्थपूर्ण और संकेत देने वाली सत्ता के रूप में देखा जाता है और मनुष्य स्वयं को उस व्यवस्था का एक सूक्ष्म अंश मानते हुए उसके संकेतों को समझने का प्रयास करता है, और यह प्रयास किसी एक संस्कृति या कालखंड तक सीमित नहीं रहा बल्कि मेसोपोटामिया से लेकर भारत और यूनान तक.

विभिन्न सभ्यताओं में यह विश्वास विकसित हुआ कि आकाशीय पिंडों की गति केवल भौतिक घटना नहीं बल्कि एक प्रतीकात्मक भाषा है जिसके माध्यम से ब्रह्मांड स्वयं को अभिव्यक्त करता है, और इसी कारण प्रारंभिक ज्योतिष केवल भविष्यवाणी की विधा नहीं था, बल्कि यह समय, ऋतु, कृषि, धार्मिक अनुष्ठान और सामाजिक संरचना को व्यवस्थित करने का एक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक उपकरण भी था, क्योंकि उस समय खगोल विज्ञान और ज्योतिष के बीच कोई स्पष्ट विभाजन नहीं था, बल्कि दोनों एक ही ज्ञान प्रणाली के दो पहलू थे, जहाँ ग्रहों की गति का गणितीय अध्ययन और उनके अर्थ का दार्शनिक विश्लेषण एक साथ चलता था, और इस समन्वय ने ज्योतिष को एक अत्यंत समृद्ध और बहुआयामी परंपरा के रूप में विकसित किया, जिसमें ज्ञान का उद्देश्य केवल बाह्य जगत को समझना नहीं बल्कि मानव जीवन के आंतरिक आयामों को भी प्रकाशित करना था, और इसी प्रक्रिया में क्लॉडियस टॉलेमी जैसे विद्वानों ने ज्योतिष को एक व्यवस्थित और तार्किक स्वरूप प्रदान किया. वहीं भारतीय परंपरा में यह विद्या वेदांग के रूप में विकसित होकर धर्म, कर्म और आध्यात्मिकता के साथ गहराई से जुड़ गई, जहाँ यह माना गया कि ग्रहों की स्थिति केवल भौतिक घटनाओं का संकेत नहीं देती बल्कि यह कर्मों के परिणाम और जीवन की दिशा को भी प्रतिबिंबित करती है, और इस प्रकार ज्योतिष एक ऐसी प्रणाली बन गई जो केवल घटनाओं का पूर्वानुमान लगाने तक सीमित नहीं रही बल्कि यह जीवन के गहरे दार्शनिक प्रश्नों का उत्तर देने का माध्यम भी बन गई, और यदि हम इस परंपरा को आधुनिक संदर्भ में देखें तो यह स्पष्ट होता है कि ज्योतिष की यह मूल अवधारणा—कि ब्रह्मांड और मानव जीवन के बीच एक संबंध है—आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, भले ही इसके स्वरूप में परिवर्तन आ गया हो, क्योंकि आधुनिक युग में विज्ञान और तर्क के विकास ने ज्योतिष को चुनौती दी है

परंतु यह चुनौती विनाशकारी सिद्ध नहीं हुई बल्कि इसने ज्योतिष को पुनर्विचार और पुनर्संरचना के लिए प्रेरित किया, और इस प्रक्रिया में ज्योतिष ने स्वयं को एक नए रूप में प्रस्तुत किया, जहाँ यह अब केवल बाह्य घटनाओं की भविष्यवाणी करने वाली विधा नहीं रही बल्कि यह मानव मन, भावनाओं और अनुभवों को समझने का एक प्रतीकात्मक उपकरण बन गई, और इस परिवर्तन में कार्ल युंग की अवधारणाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, क्योंकि उन्होंने यह स्पष्ट किया कि ज्योतिष को कारण-कार्य संबंध के रूप में नहीं बल्कि अर्थपूर्ण संयोगों के रूप में समझा जाना चाहिए, और इसी दृष्टिकोण ने आधुनिक ज्योतिष को एक मनोवैज्ञानिक और व्याख्यात्मक प्रणाली के रूप में विकसित किया.

जहाँ ग्रहों और राशियों को मानव मन के विभिन्न पहलुओं के प्रतीक के रूप में देखा जाता है, और इस प्रकार ज्योतिष अब एक ऐसी भाषा बन गई है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने अनुभवों को समझ सकता है और अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण कर सकता है, और यही कारण है कि आज के समय में ज्योतिष का उपयोग केवल भविष्यवाणी के लिए नहीं बल्कि आत्म-चिंतन और आत्म-विकास के लिए भी किया जा रहा है, क्योंकि आधुनिक जीवन की जटिलताओं और अनिश्चितताओं के बीच यह व्यक्ति को एक ऐसा ढाँचा प्रदान करता है जिसके माध्यम से वह अपने अनुभवों को अर्थ दे सकता है और अपने जीवन को एक दिशा प्रदान कर सकता है, और यदि हम इस परिप्रेक्ष्य में 'जब सितारे बोलते हैं' की अवधारणा को समझें तो यह स्पष्ट होता है कि यह केवल एक रूपक नहीं है बल्कि यह उस वास्तविक अनुभव का प्रतीक है जिसमें व्यक्ति आकाशीय प्रतीकों के माध्यम से अपने जीवन के अर्थ को खोजने का प्रयास करता है, और इस प्रकार ज्योतिष एक ऐसी जीवंत परंपरा बन जाती है जो समय के साथ बदलती हुई भी अपनी मूल आत्मा को बनाए रखती है, और यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि यह न तो पूरी तरह अतीत में सीमित है और न ही पूरी तरह आधुनिकता में विलीन है, बल्कि यह दोनों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करती है, और इस सेतु के माध्यम से यह मानव जीवन को एक व्यापक और गहन दृष्टिकोण प्रदान करती है, और यही आधुनिक ज्योतिष की सबसे बड़ी 'एडवेंचर' या साहसिक यात्रा है कि यह निरंतर बदलते हुए भी अपनी प्रासंगिकता को बनाए रखता है और मानव जीवन के साथ गहराई से जुड़ा रहता है.

इसी कारण यह कहा जा सकता है कि ज्योतिष की सच्चाई स्थिर नहीं है बल्कि यह एक गतिशील प्रक्रिया है जो समय, संस्कृति और अनुभव के अनुसार अपने अर्थ को बदलती रहती है, और यही इसकी वास्तविक शक्ति है, क्योंकि यह केवल तथ्यों का संग्रह नहीं है बल्कि यह अनुभवों का व्याख्यात्मक तंत्र है जो व्यक्ति को अपने जीवन को समझने और उसे सार्थक बनाने में सहायता करता है, और इस प्रकार 'जब सितारे बोलते हैं' का अर्थ यह नहीं है कि वे हमें सीधे-सीधे भविष्य बताते हैं, बल्कि यह है कि वे हमें एक ऐसी भाषा प्रदान करते हैं जिसके माध्यम से हम अपने जीवन के गहरे प्रश्नों का उत्तर खोज सकते हैं और अपने अस्तित्व के रहस्यों को समझने का प्रयास कर सकते हैं.

मोहिनी एकादशी व्रत से मिलती समृद्धि

27 अप्रैल को मनाई जाने वाली मोहिनी एकादशी भगवान विष्णु के मोहिनी अवतार को समर्पित है. इस व्रत को करने से मोह-माया से मुक्ति, सुख-समृद्धि और जीवन में उन्नति प्राप्त होती है.

मोहिनी एकादशी का व्रत हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और फलदायी माना गया है. हर वर्ष वैशाख शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को यह व्रत रखा जाता है. वर्ष 2026 में यह पावन व्रत 27 अप्रैल, सोमवार के दिन मनाया जाएगा. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान विष्णु ने समुद्र मंथन के समय मोहिनी रूप धारण किया था, जिससे देवताओं को अमृत प्राप्त हुआ और दानवों से उसका संरक्षण हुआ.

पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि का आरंभ 26 अप्रैल की शाम से होगा और इसका समापन 27 अप्रैल की शाम को होगा. उदयातिथि के आधार पर व्रत 27 अप्रैल को ही रखा जाएगा. इस दिन ब्रह्म मुहूर्त प्रात: 4:43 से 5:28 तक और अभिजित मुहूर्त दोपहर 12:11 से 1:02 तक पूजा के लिए अत्यंत शुभ माना गया है.

मोहिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष पूजा का विधान है. पूजा के दौरान 'ऊं नमो भगवते वासुदेवाय' और 'ऊं नमो नारायणाय' जैसे मंत्रों का जाप करने से मन शांत होता है और आध्यात्मिक ऊर्जा में वृद्धि होती है. इसके साथ ही विष्णु सहस्त्रनाम और मंगल स्तोत्र का पाठ भी अत्यंत शुभ माना जाता है.

इस व्रत का पारण 28 अप्रैल 2026 को किया जाएगा. पारण का शुभ समय सुबह 6:12 से 8:46 बजे तक रहेगा. धार्मिक मान्यता के अनुसार, एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि के भीतर करना आवश्यक होता है, अन्यथा व्रत का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता. मोहिनी एकादशी का व्रत केवल उपवास नहीं बल्कि आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम माना जाता है. कहा जाता है कि इस व्रत को श्रद्धा और नियमपूर्वक करने से व्यक्ति के जीवन से मोह, माया और नकारात्मक विचार दूर होते हैं. साथ ही घर में सुख, शांति और धन-समृद्धि का वास होता है.भक्त इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु का ध्यान करते हैं और दिनभर भजन-कीर्तन में समय व्यतीत करते हैं. शाम के समय दीपदान और तुलसी पूजन का विशेष महत्व होता है.

बुद्ध पूर्णिमा : प्रेम और शांति का संदेश

बुद्ध पूर्णिमा केवल भगवान बुद्ध के जन्मदिन का पर्व नहीं है. यह दिन उनके जीवन में घटित तीन महाचमत्कार—जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण—के कारण 'तीन बार धन्य उत्सव' कहा जाता है. इस पावन अवसर पर श्रद्धालु शांति, करुणा और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश ग्रहण करते हैं. बुद्ध पूर्णिमा का पर्व वैशाख पूर्णिमा को मनाया जाता है.इस दिन भगवान गौतम बुद्ध के जीवन की तीन सबसे महत्वपूर्ण घटनाएं घटी थीं, जिन्हें ध्यान में रखते हुए इसे त्रिगुणधन्य दिवस भी कहा जाता है. वर्ष 2026 में यह पर्व शुक्रवार, 1 मई को मनाया जाएगा.

सिद्धार्थ गौतम का जन्म- वैशाख मास की पूर्णिमा को लुंबिनी में राजा शुद्धोधन और रानी महामाया के घर सिद्धार्थ का जन्म हुआ. वे बाद में गौतम बुद्ध कहलाए. यह घटना न केवल उनके जीवन की शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि मानवता के लिए ज्ञान और करुणा का आरंभ भी मानी जाती है.

ज्ञान की प्राप्ति- सिद्धार्थ गौतम ने 35 वर्ष की आयु में बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे ध्यान करके परम ज्ञान प्राप्त किया. इस समय से वे 'बुद्ध' कहलाए और उनकी शिक्षाएं दुनिया भर में सत्य और करुणा का मार्ग दिखाने लगीं. बुद्ध पूर्णिमा पर बोधि वृक्ष के पास ध्यान और पूजा का विशेष महत्व है.

महापरिनिर्वाण- बुद्ध पूर्णिमा के दिन ही कुशीनगर में महात्मा बुद्ध ने सांसारिक बंधनों को त्याग कर महापरिनिर्वाण प्राप्त किया. इसका अर्थ है जन्म-मृत्यु के चक्र से पूर्ण मुक्ति. इसे ध्यान, संयम और आध्यात्मिक परिपूर्णता का प्रतीक माना जाता है.

इन तीन अद्भुत घटनाओं के कारण बुद्ध पूर्णिमा को केवल जन्मदिन नहीं, बल्कि जीवन चक्र की पूर्णता और आध्यात्मिक परिपूर्णता का दिन कहा जाता है. इस दिन श्रद्धालु शांति, अहिंसा और करुणा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा लेते हैं.

घर में तितली का आना लाता है खुशखबरी

घर में तितलियों का आना सदियों से शुभ माना गया है. यह न केवल सौभाग्य का प्रतीक है, बल्कि जीवन में नई संभावनाओं, प्रेम और समृद्धि के संकेत भी देता है. घर में तितलियों का आना भारतीय परंपरा और ज्योतिष शास्त्र में एक सकारात्मक संकेत माना जाता है. यह संकेत केवल सौभाग्य का नहीं, बल्कि जीवन में खुशियों, नई शुरुआत और रिश्तों में सामंजस्य का भी प्रतीक है. तितलियों की उपस्थिति को अक्सर प्रकृति की शुभ चेतावनी कहा जाता है, जो बताती है कि घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ रहा है.

विशेषकर रंग-बिरंगी तितलियाँ, जैसे नीली, पीली या सफेद, घर में आने पर इसे और भी शुभ माना जाता है. इनके आने का समय भी महत्वपूर्ण होता है. सुबह के समय आने वाली तितलियाँ नयी शुरुआत और शिक्षा या करियर में सकारात्मक बदलाव का संकेत देती हैं. वहीं, शाम के समय आने वाली तितलियाँ परिवार में सौहार्द और सुख-शांति लाने की ओर इशारा करती हैं.

ज्योतिष के अनुसार, घर के उत्तर-पूर्व दिशा में तितलियों का प्रवेश विशेष रूप से शुभ होता है. यह दिशा घर की सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र मानी जाती है. अगर यह दिशा साफ-सुथरी और रोशन हो, तो तितलियों का प्रवाह घर में खुशियों और समृद्धि को बढ़ाता है. इसके विपरीत, अगर घर अव्यवस्थित हो या गंदगी हो, तो तितलियाँ जल्दी बाहर चली जाती हैं, जिससे शुभ संकेत का पूरा लाभ नहीं मिलता.

घर में पूजा-सज्जा से बढ़े सकारात्मक ऊर्जा

तुलसी का पौधा भारतीय घरों में विशेष महत्व रखता है. इसे केवल पौधा नहीं, बल्कि घर का संरक्षक और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है. तुलसी के पौधे पर जल अर्पित करना और उसके पास दीपक जलाना शुभ रहता है. यह न केवल स्वास्थ्य और समृद्धि में वृद्धि करता है, बल्कि परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सहानुभूति को भी बढ़ाता है.

घर के मुख्य द्वार और तुलसी के पौधे पर दीपक और जल अर्पित करने से न केवल घर की ऊर्जा सकारात्मक होती है, बल्कि परिवार में सौभाग्य और शांति का वास भी बढ़ता है.

घर को सजाना और उसमें नियमित पूजा करना न केवल धार्मिक कृत्य है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक शांति का भी स्रोत माना जाता है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर हल्का दीपक और ताजे फूल लगाना अत्यंत शुभ होता है. यह न केवल आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, बल्कि नकारात्मक प्रभावों को भी कम करता है. दीपक का प्रकाश अंधकार और नकारात्मकता को दूर करता है और फूलों की ताजगी वातावरण में सुख और उत्साह भर देती है.

तुलसी का पौधा भारतीय घरों में विशेष महत्व रखता है. इसे केवल पौधा नहीं, बल्कि घर का संरक्षक और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है. तुलसी के पौधे पर जल अर्पित करना और उसके पास दीपक जलाना शुभ रहता है. यह न केवल स्वास्थ्य और समृद्धि में वृद्धि करता है, बल्कि परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सहानुभूति को भी बढ़ाता है. प्रतिदिन तुलसी के पास दीपक जलाने से मानसिक तनाव कम होता है और घर का वातावरण शांत और सकारात्मक बना रहता है.

पूजा-सज्जा में ध्यान देने योग्य एक और पहलू है सामग्री का चयन. फूलों में गुलाब, चमेली और गेंदा के फूल विशेष रूप से शुभ माने जाते हैं. दीपक के लिए हल्का तिल का तेल या घी का दीपक प्रयोग करना उत्तम रहता है. इसके अलावा, घर के मुख्य स्थानों में हल्का रंग और साफ-सुथरा वातावरण रखना भी आवश्यक है. अंधेरे को दूर करने के लिए दीपक का नियमित प्रयोग न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है.

घर में नियमित पूजा और सजावट करने से घर में न केवल आध्यात्मिक बल्कि भौतिक लाभ भी होता है. परिवार के सदस्य स्वस्थ और खुशहाल रहते हैं. बच्चों की पढ़ाई और करियर में सकारात्मक प्रभाव महसूस किया जा सकता है. तुलसी और दीपक का संयोजन घर की समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है. साथ ही, यह प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने और जीवन में संतुलन बनाए रखने का एक सरल और प्रभावशाली तरीका भी है.

आज के समय में, जब लोग तनाव और भागदौड़ की जिंदगी जी रहे हैं, घर में पूजा-सज्जा एक प्रकार का मानसिक विश्राम भी प्रदान करती है. यह रिवाज केवल परंपरा नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी लाभकारी माना गया है. प्रकाश और प्राकृतिक सजावट का प्रभाव घर में शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि लाने में महत्वपूर्ण होता है. घर में पूजा-सज्जा का महत्व केवल धार्मिक कृत्य नहीं, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक संतुलन बनाए रखने का एक प्रभावी माध्यम है. नियमित दीपक जलाना, तुलसी को जल अर्पित करना और ताजे फूलों से घर को सजाना हर परिवार के लिए लाभकारी और शुभ होता है.

राशिफल

दिनांक- 26 अप्रैल से 02 मई 2026

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर मो.नं. 098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य मेष राशि में, मंगल मीन राशि में, बुध मीन राशि में ता. 30 को 7/8 प्रातः से मेष राशि में, गुरू मिथुन राशि में, शुक्र वृषभ राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा कर्क सिंह कन्या और तुला राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव:- मंगल शनि की युति मीन राशि में अरण्ड, सरसों, सूर्यमुखी, तमाम तेल के बीजों में तिलहन बाना में नई लाइन शुरू होगी, बाजार दोनों तरफबड़े उतार-चढ़ाव के साथ टकरायेगा, मंदी नहीं होगी. परन्तु बाजार अस्थिर रहेगा. व्यापारी बाजार देखकर कार्य करें.

पर्व-व्रत-त्यौहार :

सोमवार	27 अप्रैल को	मोहिनी एकादशी व्रत,
मंगलवार	28 अप्रैल को	रूकमणी द्वादशी,
बुधवार	29 अप्रैल को	प्रदोष व्रत,
गुरूवार	30 अप्रैल को	श्री नृसिंह प्रकटोत्सव, आनंदमयी जयंती,
शुक्रवार	01 मई को	स्नानदान व्रत पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, वैशाख स्नान व्रत नियम समाप्त, कूर्मोत्पत्ति,

मेष

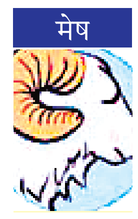

इस सप्ताह आपका पूरा ध्यान अपने कैरियर व भविष्य की योजनाओं की ओर रहेगा, नई योजनाओं को पूरा करने में सभी का सहयोग रहेगा, लोग अपनी बात समझाने में सफल रहेंगे, राह में आ रही मुश्किलों का सामना करने पर कामयाबी मिलेगी, समाज में महत्वपूर्ण स्थान बनाने में सफल रहेंगे, कार्यस्थल पर नई शुरूआत का अनुभव होगा, व्यस्तता रहेगी.

वृषभ

इस सप्ताह पुमीन परेशानी से छुटकारा मिलेगा, सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी, पार्टियों का दौरजारी रहेगा, दायरा बढ़ाने की कोशिश मेंरहेंगे. मौजमस्ती छोड़कर कुछ काम करने का मन बनेगा, संपत्ति संबंधी मामले सुलझेंगे. सप्ताहान्त में विरोधियों से सजग रहकर कार्य करें, शासकीय कार्यों में परिश्रम से सफलता मिलेगी.

मिथुन

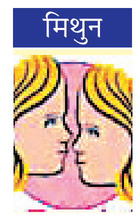

इस सप्ताह सफलता का योग है, अभी तक की नई मेहनत का लाभ मिलेगा, पारिवारिक व सामाजिक जीवन में अपने संबंधों को फिर घनिष्ठ संबंधों को फिर से बनाने में मदद मिलेगी, मानसिक संतोष के लिये कुछ दिन के लिये घर सेदूर जा सकते हैं, पारिवारिक सुरक्षा हेतु निवेश करेंगे. कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से मेलजोल बढ़ायें. आपके लिये फायदेमंद हो सकता है.

कर्क

इस सप्ताह सफलता का अच्छा योग है, भाग्य अनुकूल बना रहने से मुश्किल कार्य भी आसानी से संपन्न होगा, अपनी मंजिल तक पहुंचाने के लिये आपने जितनी मेहनत की है, उसका लाभ मिलेगा, वैभव विलासिता पर खर्च होगा, जो लोग आपको नकारा समझते हैं,वे भी आपकी काबलियत की तारीफकरेंगे, सरकारी मामलों में कुछ विलंब हो सकता है, सौदे का मामला सुलझेगा.

सिंह

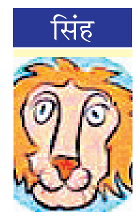

इस सप्ताह आर्थिक मामलों से निपटना होगा. पुराने कर्जो से छुटकारा पाने के लिये आपको योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना होगा, पारिवारिक आयोजनाओं में आप बढ़चढ़ कर हिस्सा लेंगे, बच्चों के कैरियर को लेकर चिन्ता रह सकती है, मानसिक तनाव की स्थिति से छुटकारा मिलेगा, जिस पर विश्वास कर रहे हैं, वे लोग आपका साथ छोड़ सकते हैं.

कन्या

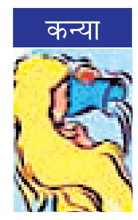

इस सप्ताह नये संपर्क और नये व्यक्ति लाभदायक रहेंगे, आप सिर्फ लाभ पर ही ध्यान नहीं देंगे, अपितु रिश्ते बनाने का प्रयास करेंगे, आर्थिक स्थिति में सुधार के कारण दूसरों के कार्य में ध्यान देंगे, किसी कार्य के लिये की गई यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी, अपने लगाव व नजरिये में बदलाव का अवसर मिलेगा, व्यक्तिगत जीवन में कार्य में सामंजस्य से आप कामयाब रहेंगे.

तुला

आपका यह सप्ताह प्रगति व सफलता लेकर आ रहा है, जो सपने देख रहे हैं, उन्हें पूरा करने की राह बनेगी, अपनी वरिष्ठता और सामर्थ्य से ज्यादा जिम्मेदारी आने से आपका तनाव बढ़ सकता है, दूसरों की मदद कर मन को खुशी देंगे, कार्यस्थल पर अनिश्चय का माहौल बना रहेगा, संबंधों की फिर से समीक्षा करनी होगी, और दोस्त व दुश्मन में फर्क पहचानना होगा.

वृश्चिक

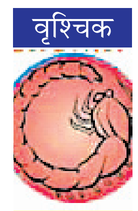

इस सप्ताह निजी संबंधों पर ध्यान देने का भरपूर समय मिलेगा, पुराने दोस्तों से मुलाकातों का दौर चलेगा, किसी भी योजना को आप इस तरह से अंजाम देंगे कि लोग आपकी तारीफकरेंगे, कार्य की अधिकता रहेगी, आपको आय के नये स्त्रोत तलाशना पड़ेंगे, घूमने का कार्यक्रम बन सकता है, दूसरों की मर्यादा का ध्यान रखें, बुजुर्ग व्यक्ति के स्वास्थ्य की चिन्ता हो सकती है.

धनु

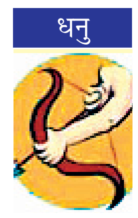

इस सप्ताह अपनी अभिरूचियों पर खुशियों पर ध्यान देने का अवसर मिलेगा. आप जो चाहते हैं, उसके अनुसार आपके कार्य बनते चले जायेंगे, भाग्य मदद करेगा, हिम्मत और विश्वास से वृद्धि होगी. कैरियर में पहले से अच्छे प्रस्ताव मिलेंगे, आध्यात्मिक व धार्मिक कार्यो में आपकी रूचि बढ़ेगी, तरक्की की उॅचाईयों पर पहुंचेंगे, लेकिन व्यक्तिगत संबंधों को भी पूरा महत्व देंगे.

मकर

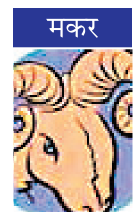

इस सप्ताह अपने प्रयासों और मेहनत की बदौलत अच्छी सफलता मिलेगी, आपका मौलिक चिन्तन आगे बढ़ने में मदद करेगा, कार्यक्षेत्र में आपको निरंतर सफलता मिलेगी, पारिवारिक व निजी जीवन में खुशियों का अनुभव होगा, जो लोगआपके कार्य में अड़चने खड़ी कर रहे हैं, वे सभी सहयोग करेंगे, मेहनत कर लाभ प्राप्त करेंगे, सही निवेश के लिये बड़ों की राय जरूरी है.

कुम्भ

इस सप्ताह परिवार की सुविधाओं पर बड़ा खर्च होगा, जिसे पसंद करते हैं, उसके साथ कुछ समय गुजारकर खुशी मिलेगी, पारिवारिक उत्सवों में प्रसन्नता मिलेगी, उच्च अध्ययन में सफलता के आसार हैं, नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को भी सफलता मिलेगी, कामकाज में सावधानी रखें, अपने बिखरे हुये कार्यो को समेटने में सफलता मिलेगी.

मीन

इस सप्ताह सफलता का वास्तविक आनन्द मिलेगा, जिस योजना को लेकर समय से प्रयास कर रहे थे, उसे अंजाम तक पहुंचाने में सफलता मिलेगी, सामाजिक चमक धमक, के साथ सफलता के आसमान पर बढ़ते दिखाई देंगे, नईयोजनाओं पर विचार होगा.घूमने फिरने के बहाने रिश्तेदारी में जा सकते है, उन्नति की संभावना है.